MILLENNIUM POST, Delhi, 11.5.2025
Page No. 2, Size:(14.78)cms X (29.79)cms.

Adani deploys India's 1st hydrogen fuel cell truck for mining logistics

NEW DELHI: Adani group has deployed India's first hydrogen-powered truck for mining logistics in Chhattisgarh, which can carry 40 tonnes of cargo over a 200-kilometre range, the conglomerate said Saturday.

Adani Enterprises, the flagship company of the group, flagged off hydrogen fuel cell trucks as it looks to promote cleaner transportation. "These hydrogen-powered trucks will gradually replace diesel vehicles used in the company's logistics operations," the firm said in a statement.

"In collaboration with an Indian and international energy technology firm and a major auto manufacturer, Adani is developing hydrogen fuel cell battery-operated trucks for cargo transport. Each truck, equipped with smart technology and three hydrogen tanks, can carry up to 40 tonnes of cargo over a 200-km range." Chhattisgarh Chief Minister Vishnu Deo Sai flagged off the first truck in Raipur. It will be used to transport coal from the Gare Pelma III Block to the state's power plant.

"The launch of India's first hydrogen-powered truck in Chhattisgarh reflects the state's commitment to sustainability. Such initiatives will significantly reduce our carbon footprint and set a new standard for industry. Chhattisgarh is not only at the forefront in meeting the country's electricity demands but also leads by example in adopting sustainable practices," the chief minister said.

The state-owned Chhattisgarh State Power Generation Company Limited has appointed Adani Enterprises as the mine developer and operator for the Gare Pelma III block through a competitive bidding process.

"The initiative for hydrogen-powered trucks is a significant step towards Adani Group's commitment to decarbonisation and responsible mining. We are creating model mines with minimal environmental impact by incorporating autonomous dozer push technologies, solar power, digital initiatives, and tree transplanters to relocate trees. MPOST

STATESMAN, Delhi, 11.5.2025
Page No. 7, Size:(17.11)cms X (21.44)cms.

HPCL posts 18 per cent increase in PAT in Q4 FY25 results

Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL) on 6 May, announced its financial results for the quarter and year ended March 31, 2025, reporting resilient operational performance, resulting in record throughput and sales volumes.

The company also accelerated on its project execution and further advanced its sustainability and energy transition agenda, alongside strengthening core infrastructure. HPCL delivered an exceptional performance in FY 2024-25 achieving its highest-ever refinery throughput of 25.27 MMT.

Visakh Refinery was able to realise the full volume potential post the expansion and processed over 15 MMT of crude oil. Similarly, Mumbai Refinery processed almost 10 MMT crude oil in an all-time high.

HPCL also registered record-high sales volume of 49.82 MMT.

This corresponded to a domestic market sales growth of 5.5%, and HPCL significantly outperformed the industry average growth rate of 4.2%. Additionally, HPCL also recorded its highest-ever pipeline throughput of 26.90 MMT during FY 2024-25.

Revenue from Operations: ₹4,66,346 crore (₹4,61,638 crore in FY24). Gross Refining Margin (GRM): US$ 5.74 per barrel (US$ 9.08 per barrel in FY24). Profit After Tax (PAT): ₹7,365 crore (₹14,694 crore in FY24). Consolidated PAT: ₹6,736 crore (₹16,015 crore in FY24).

BUSINESS LINE, Delhi, 11.5.2025
Page No. 6, Size:(7.04)cms X (10.90)cms.

Oil forming a base

CRUDE CHECK. But roadblock still in place

Akhil Nallamuthu
bl. research bureau

Crude oil prices witnessed considerable recovery last week. Brent crude oil futures on the Intercontinental Exchange (ICE) ($63.90/barrel) gained 4.2 per cent. Whereas the crude oil futures on the MCX (₹5,212/barrel) was up 5.5 per cent.

BRENT FUTURES ($63.90)

Brent crude oil futures bounced off $58.50 last week. Thus, the contract has ricocheted twice off this level in as many months. However, this upswing is far from becoming a sustainable uptrend.

For that, the contract should decisively breach the barrier at $68. This can probably open the door for a rally to $75. But in case Brent crude oil futures resume the fall from the current level, it can find support at $58.50 again. That said, a breach of $58.50 can trigger a fresh leg of downtrend. Support below $58.50 is at $53.

MCX-CRUDE OIL (₹5,212)

Crude oil futures (May) bounced off the base at ₹4,800. Earlier, it had recovered from this price point in April. Consequently, the chart now hints at the formation of a double-bottom chart pattern.

However, this setup will only be confirmed if crude oil rises past the resistance at ₹5,500. But note that there is a barrier before this level at ₹5,300. A breakout of ₹5,500 can lead to a fresh leg of uptrend, potentially to ₹6,000 and ₹6,200. On the other hand, if there is a fall from here and the contract slips below the support at ₹4,800, we are likely to see the price falling deeper, possibly to ₹4,400 and ₹4,000.

Trade strategy: At this juncture, the risk-reward ratio is unfavourable for both long and short positions. So, traders can stay out.

JANSATTA, Delhi, 11.5.2025
Page No. 06, Size:(16.60)cms X (22.97)cms.

अमेरिका संग व्यापार समझौते में निष्पक्ष शर्तें सुनिश्चित करे भारत

नई दिल्ली, 10 मई (भाषा)।

अमेरिका के साथ समझौता करते समय सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि समझौता पारस्परिक, संतुलित हो और केवल राजनीतिक विचारों से प्रेरित न हो। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआइ) ने कहा कि आठ मई को अमेरिका व ब्रिटेन के बीच घोषित सीमित व्यापार समझौते से संकेत मिलते हैं कि वाशिंगटन अन्य साझेदारों, खासकर भारत के साथ व्यापार व्यवस्था कर सकता है। उसने कहा, करीब से देखने पर पता चलता है कि ब्रिटेन ने अमेरिका को शुल्क में व्यापक रियायतें दीं, जबकि अमेरिका ने कम पेशकश की।

जीटीआरआइ ने कहा, यदि ब्रिटेन-अमेरिका समझौता खाका तैयार करता है, तो संभावना है कि अमेरिका खुद के छोटे-से समझौते को अंतिम रूप देने के लिए भारत पर दबाव डाल सकता है। यह बहुत बाद में आने वाले पूर्ण मुक्त व्यापार समझौते के बजाय शुल्क कटौती और रणनीतिक प्रतिबद्धताओं पर केंद्रित होगा। इसमें यह चेतावनी दी गई है कि भारत से सोयाबीन, एथनाल, सेब, बादाम, अखरोट, किशमिश, एवोकाडो, स्पिरिट, जीएम (आनुवांशिक रूप से संशोधित) उत्पाद तथा मांस और पोल्ट्री सहित संवेदनशील कृषि उत्पादों पर शुल्क कम करने के लिए कहा जा सकता है। वाहन पर शुल्क रियायतें अपेक्षित हैं, क्योंकि भारत ने छह मई को घोषित अपने हालिया समझौते के तहत ब्रिटेन के चुनिंदा वाहनों पर शुल्क को 100 फीसद से घटाकर 10 फीसद करने पर सहमति व्यक्त की है। जीटीआरआइ के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ब्रिटेन की तरह, अमेरिका भी भारत पर वाणिज्यिक खरीद के लिए दबाव डालेगा। इसमें तेल, एलएनजी, बोइंग से सैन्य और नागरिक विमान, हेलीकाप्टर या यहां तक कि परमाणु रिएक्टर भी शामिल हो सकते हैं।

जीटीआरआइ ने बयान में कहा कि भारत को अमेरिका-ब्रिटेन व्यापार समझौते से सीख लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत को अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करते समय सावधानी से कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन ने जैतून के तेल से लेकर एथनाल तक 2,500 से ज़्यादा अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क कम करने पर सहमति जताई है। इसके ठीक उलट, अमेरिका ने ब्रिटेन की 100 से कम वस्तुओं पर शुल्क कम किया है। फिर भी कटौतियां खत्म होने के बजाय मूल 10 फीसद पर रुक जाती हैं।

DESHBANDHU, Delhi, 11.5.2025
Page No. 11, Size:(19.17)cms X (16.76)cms.

देश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीजल मौजूद : इंडियन ऑयल

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच देश की सरकारी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल ने कहा कि देश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी मौजूद है और घबराहट में अतिरिक्त खरीदारी न करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सरकारी तेल विपणन कंपनी ने लिखा कि इंडियन ऑयल आपको यह आश्वस्त करना चाहता है कि देशभर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है। हमारी आपूर्ति श्रृंखलाएं सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं और सभी रिटेल आउटलेट्स पर ईंधन और एलपीजी आसानी से उपलब्ध हैं।

पोस्ट में आगे लिखा कि हम आपसे निवेदन करते हैं कि घबराहट में अतिरिक्त खरीदारी से बचें। शांत रहकर और अनावश्यक भीड़ से बचकर, हम सभी मिलकर आपूर्ति व्यवस्था को निर्बाध बनाए रख सकते हैं, जिससे सभी के लिए ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही लिखा कि आपका सहयोग हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का जवाब देते हुए 7 मई को भारतीय सेना की ओर से आतंकवादियों पर कार्रवाई के लिए किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत-पाकिस्तान में तनाव है। इसके जवाब में पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने 8 और 9 मई 2025 की मध्यरात्रि पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों का उपयोग करके कई हमले किए हैं। पाक सैनिकों ने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर भी बार-बार संघर्ष विराम उल्लंघन किया है।

DESHBANDHU, Delhi, 11.5.2025
Page No. 11, Size:(28.15)cms X (4.42)cms.

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।